Printed from
THE TIMES OF INDIA

BCCI holds pre-climate change meet in Kolkata

TNN | Aug 27, 2020, 09:37 PM IST

KOLKATA: The Bengal Chamber of Commerce and Industry is preparing to participate in COP26 of the United Nations Framework Convention on Climate Change (UNFCC) which will take place in Glasgow, United Kingdom from November 1 to November 12, 2021.

The 13th edition of Environment and Energy Conclave on "Inclusive Growth with Resource Efficiency " on Wednesday and Thursday was presented as precursor to COP26.

The session on Thursday was on e-mobility. It is one of the four key focus areas of COP26—Clean Growth. Electric mobility will be a key thematic area on which countries, cities and businesses will showcase their ambition at COP 26.

Sobhandeb Chattopadhyay, state power minister, welcomed Libby Green, head of prosperity (climate, energy, urban, ease of doing business, financial services) representing British High Commission New Delhi for taking up and addressing the issues of Sunderban.
"In West Bengal the Solar Generation Capacity has increased to 30 MW and within an year it will be 300 MW. Under the leadership of our Chief Minister, West Bengal has taken up hydro electric generation project in Purulia. He also mentioned about the 1000 MW of hydro power generation capacity of Tulga Project. He said Bengal has already started using electric vehicle for the public and it is for the first time in India, a state government is using e-vehicle for public transport.
Debashis Sen, chairman, Housing Infrastructure Development Corporation Limited, was also present, showcasing the e-mobility success in New Town in presence of COP26 leadership. He said "Kolkata has got a platinum rating as a Green City from India Green Building Council (IGBCTh)".
Prabhat Kumar Mishra, principal secretary, state transport department, said, "There are 80 buses and 77 charging stations are put up. Among them 20 is high power quick charging station" Buses are plying 2.5 lac km in a month.

The Bengal Chamber, along with British Deputy High Commission in Kolkata, is engaging closely with the stakeholders of e-mobility ecosphere including policy makers and businesses from UK and India to accelerate the e-mobility growth in Kolkata, said Deb A Mukherjee, president designate, The Bengal Chamber.

Kolkata has been the first city to feature in the report of International Energy Agency (IEA), Paris-based autonomous intergovernmental organization established in the framework of the Organisation for Economic Co-operation and Development in 1974 in the wake of the 1973 oil crisis, on success of e-buses.

"With quality power by utility providers, e-fleets may be well supported by charging infrastructure." said Gautam Ray, Chairperson, Energy and Environment Committee, The Bengal Chamber of Commerce and Industry, Executive Director (HR & Admin.) - CESC Limited & President (HR) – Power Group, RPSG

By establishing a substantial presence for EVs, their affordability, and supporting charging infrastructure, EESL is working to trigger an industrial and consumer switch to EVs. "We have signed agreements with various PSUs, Government departments and the Governments of Andhra Pradesh, Maharashtra and Telangana for deploying e-cars.", said S Gopal Managing Director, Energy Efficiency Services Limited.

চার্জিং স্টেশনের নীতির সওয়াল

নিজস্ব সংবাদদাতা

বৈদ্যুতিক গাড়ির জন্য চাই চার্জিং স্টেশন। আর তা গড়ে তোলা ও রক্ষণাবেক্ষণ সংক্রান্ত বিষয়গুলির নির্দিষ্ট নীতি জরুরি বলে মনে করেন টেরি-র ডিজি অজয় মাথুর। এর আগে যে দাবি করেছে শিল্প মহল থেকে শুরু করে বিশেষজ্ঞেরা। মাথুরের মতে, বৈদ্যুতিক গাড়ির ব্যবহার ধীরে ধীরে বাড়ছে। তাই এটাই সময় পরিকাঠামো উন্নয়ন, নীতি তৈরিতে নজর দেওয়ার।

বুধবার বেঙ্গল চেম্বার ও ব্রিটেনের যৌথ উদ্যোগে ১৩তম পরিবেশ ও শক্তি সংক্রান্ত এক ওয়েবিনারে মাথুর জানান, যথেষ্ট সংখ্যক চার্জিং স্টেশন থাকলে অনেকেই দু-চাকার বৈদ্যুতিক গাড়ি কিনতে আগ্রহী। তবে কলকাতায় বৈদ্যুতিক বাসের সংখ্যা যে ভাবে বাড়ছে, তা প্রশংসনীয়। ওই প্রশংসা শোনা গিয়েছে ব্রিটেনের বিশেষ দূত (কপ-২৬) জন মার্টিনেরও মুখেও।

কেন্দ্রীয় বিদ্যুৎ মন্ত্রকের যুগ্মসচিব ঘনশ্যাম প্রসাদ বলেন, নেপাল ও ভুটান থেকে আরও বেশি জলবিদ্যুৎ আনার ভাবনা চলছে। গ্রাহকের সঙ্গে বণ্টন সংস্থাগুলির আরও নিবিড় সম্পর্ক গড়ার সওয়ালও করেন তিনি।

ऊर्जा बचत के लिए कोलकाता को प्लैटिनम रेटिंग मिली

इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा दे रही है सरकार - शोभनदेव

सन्मार्ग संवाददाता, कोलकाता : कोलकाता को इंडिया ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल से प्लैटिनम रेटिंग मिली है। हिडको के चेयरमैन **देवाशीष सेन** ने गुरुवार को बंगाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से आयोजित एक सत्र को संबोधित करते हुए उक्त जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सिर्फ इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन की स्थापना ही नहीं की है बल्कि उनके रखरखाव के लिए वर्कशॉप भी बनाया है। वहीं विद्युत मंत्री **शोभनदेव चट्टोपाध्याय** ने ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर बल देने का आह्वान किया। सत्र को संबोधित करते हुए चट्टोपाध्याय ने कहा की वर्तमान परिस्थिति में प्रदूषण चिंता का विषय है। आज की परिस्थिति में हम 90 फ़ीसदी ऊर्जा के पुराने स्रोतों पर निर्भर हैं इसीलिए हमें वैकल्पिक स्रोत पर बल देना होगा। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल में सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता 30 मेगावाट हो गई है और 1 साल के भीतर यह 300 मेगावाट हो जाएगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जीके नेतृत्व में पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में हाइड्रो इलेक्ट्रिक जनरेटर परियोजना शुरू हुई है। मंत्री ने तुलगा में 1000 मेगावाट क्षमता वाले हाइड्रो पावर जनरेशन परियोजना का भी उल्लेख किया। विद्युत मंत्री ने बताया कि बंगाल में इलेक्ट्रिक वाहन का उपयोग शुरू हो गया है। देश में पहली बार है कि कोई राज्य सरकार इलेक्ट्रिक वाहन का उपयोग पब्लिक ट्रांसपोर्ट के तौर पर कर रही है। विद्युत विभाग व परिवहन विभाग ने प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए पूरे प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहन के लिए अधिक संख्या में चार्जिंग प्वाइंट स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। मंत्री ने चार्जिंग प्वाइंट स्थापित करने के लिए निजी क्षेत्र से 'आगे आने का आह्वान किया और कहा कि इससे एक ओर जहां प्रदूषण की मात्रा घटेगी वहीं रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि औद्योगिक इकाइयों में प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। इस कार्यक्रम में परिवहन विभाग के प्रधान सचिव **प्रभात कुमार मिश्रा** ने कहा कि 77 चार्जिंग स्टेशन बनाए गए हैं इनमें से 20 हाई पावर क्विक चार्जिंग स्टेशन है। इलेक्ट्रिक बसें ढाई लाख किलोमीटर प्रति माह चल रही हैं। इस सेमिनार को ब्रिटिश हाई कमिशन, दिल्ली की प्रतिनिधि लिब्बी ग्रीन और चेंबर के नामित अध्यक्ष देव ए. मुखर्जी ने भी संबोधित किया।

NEHRU MEMORIAL
TECHNO GLOBAL HOSPITAL
Care with Compassion

আজকাল

কলকাতা মঙ্গলবার ১ সেপ্টেম্বর, ২০২০

NEHRU MEMORIAL
TECHNO GLOBAL H
Care with

Share Tweet + -

জ্বালানির ক্ষেত্রে বিকল্প শক্তির সন্ধান চাই: শোভনদেব

আজকালের প্রতিবেদন

অর্থনীতির সার্বিক বৃদ্ধির ক্ষেত্রে যাতে সম্পদের যথাযথ ব্যবহার হয়, সে প্রসঙ্গে পরিবেশ ও শক্তি সম্পর্কিত তাদের ১৩তম আলোচনাসভার আয়োজন করল বণিকসভা বেঙ্গল চেম্বার অফ কমার্স অ্যান্ড ইন্ডাস্ট্রি (বিসিসিআই)। জলবায়ু পরিবর্তন নিয়ে ইংল্যান্ডের গ্লাসগোতে আগামী ১ নভেম্বর থেকে শুরু হতে চলেছে আলোচনাসভা সিওপি২৬। সেই বিষয়টি মাথায় রেখেই এই সভার আয়োজন। অনলাইন এই সভার মূল সহযোগী দেশ ইংল্যান্ড ছিল তাদের সঙ্গে। বিদ্যুৎমন্ত্রী শোভনদেব চট্টোপাধ্যায় ভাষণে বলেন, ‘দূষণ এই মুহূর্তে ভাবনার বিষয়। আমাদের জ্বালানির ক্ষেত্রে বিকল্প শক্তির সন্ধান করতেই হবে।’ হিডকোর চেয়ারম্যান দেবাশিস সেন বলেন, ‘কলকাতা, ইন্ডিয়া গ্রিন বিল্ডিং কাউন্সিলের তরফ থেকে প্ল্যাটিনাম রেটিংয়ে গ্রিন সিটির মর্যাদা পেয়েছে। রাজ্য সরকার ই–গবেষণার ওপর গুরুত্ব দিয়েছে। ভারী যানবাহনের ক্ষেত্রে জলবিদ্যুতের ব্যবহার পরবর্তী সময়ে কার্যকরী ভূমিকা নিতে পারে।’ পরিবহণ দপ্তরের প্রধান সচিব ড. প্রভাতকুমার মিশ্র বলেন, ‘ব্যাটারিচালিত গাড়ির ব্যবহার বাড়ানো হয়েছে। ৮০টি বাসের জন্য ৭৭টি চার্জিং স্টেশন তৈরি করা হয়েছে। দূষণ কমাতে আরও ৫০টি ব্যাটারিচালিত বাস আনার কথা ভাবা হচ্ছে।’

সভায় সিওপি২৬-এর ইংল্যান্ড সরকারের প্রতিনিধি ড. জন মার্টিন বলেন, গ্লাসগোতে এই সিওপি২৬–কে সফল করতে সরকারের সঙ্গে ভারতীয় ব্যবসায়ী এবং বিভিন্ন বিষয়ের উদ্ভাবকরাও গুরুত্বপূর্ণ ভূমিকা নেবেন। বিসিসিআইয়ের প্রেসিডেন্ট (ডেজিগনেট) দেব এ মুখার্জি জানিয়েছেন, তাদের প্রতিনিধি দলও সিওপি২৬–এ যাবে। কলকাতার ব্রিটিশ হাইকমিশনার নিক লো বলেন, সঠিক সময়ে এটা হল সঠিক অনুষ্ঠান। দ্য এনার্জি অ্যান্ড রিসোর্সেস ইনস্টিটিউটের (টেরি) ডাইরেক্টর জেনারেল অজয় মাথুর বলেন, কলকাতায় বিদ্যুৎচালিত বাসের সংখ্যার বৃদ্ধি পাওয়াটা একটা ভাল দিক। বিসিসিআইয়ের এনার্জি অ্যান্ড এনভায়রনমেন্ট কমিটির চেয়ারপার্সন গৌতম রায় বলেন, এই সভার আগে আগেই শুরু হবে বিশ্ব অর্থনীতির পুনর্নির্মাণ। ছিলেন এক্সাইড লেক্ল্যান্স এনার্জি প্রাইভেট লিমিটেডের সিইও স্টেফান ল্যাইস, ডিভিসি–র সদস্য সচিব ড. পিকে মুখোপাধ্যায়, হলদিয়া পেট্রোকেমিক্যালসের হোল টাইম ডিরেক্টর শুভাসেন্দু চ্যাটার্জি, ইন্ডিয়া পাওয়ার কর্পোরেশন লিমিটেডের এমডি রাঘব রাজ কানোরিয়া-সহ অন্যরা। সভায় ভারতীয় উপমহাদেশে জলবায়ু পরিবর্তন নিয়েও আলোচনা হয়। বাংলাদেশের বিদ্যুৎ মন্ত্রকের পাওয়ার ডিভিশনের পাওয়ার সেলের ডিরেক্টর জেনারেল মহম্মদ হোসেন ছাড়াও ভারত, নেপাল ও ভুটানের প্রতিনিধিরা যোগ দেন।

Solar generation capacity in State will increase to 300 MW in a year: Min

OUR CORRESPONDENT

KOLKATA: The solar generation capacity in Bengal will be increased to 300 MW within a year, Sobhandeb Chattopadhyay, state Power minister said on Thursday.

He was addressing a webinar at the 13th edition of Environment and Energy Conclave on Inclusive growth with resource efficiency organized by the Bengal Chamber of Commerce and Industry on Thursday. BCC& I has proposed to join COP 26 of the United Nations Framework Convention on Climate Change which will take place in Glasgow from November 1to 12, 2021.

The state government has started using electric vehicles for public transport. The Power department is aiming at setting up good number of charging stations soon, he maintained.

इ-व्हिकल को दे रहे बढ़ावा

- शोभनदेव का उद्योग जगत से ई-वेहिकल में निवेश का आह्वान

कोलकाता. द बंगाल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से आयोजित एक वर्चुअल एनर्जी कॉन्क्लेव में राज्य के बिजली मंत्री शोभनदेव चट्टोपाध्याय ने कहा कि आज भी ९० फीसदी ईंधन के लिए हम फॉसिल फ्यूल पर निर्भर हैं. ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत तलाशने की जरूरत है. पश्चिम बंगाल में सौर ऊर्जा की क्षमता एक वर्ष में बढ़ कर ३० मेगावाट हो गयी है. इसे ३०० मेगावाट तक ले जाने का लक्ष्य है. राज्य की हाइड्रो-इलेक्ट्रिक परियोजनाएं उपयोगी हो सकती हैं. मंत्री के अनुसार राज्य सरकार ने जन परिवहन के लिए ई-वेहिकल का इस्तेमाल शुरू कर दिया है. ऐसा देश में पहली बार हो रहा है. राज्यभर में इन वाहनों के लिए चार्जिंग प्वॉइंट बनाये जायेंगे. औद्योगिक प्लांट में प्रदूषण घटाने की दिशा में भी काम चल रहा है. राज्य के सभी निगमों में ई-वेहिकल के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है. उन्होंने उद्योग जगत से ई-वेहिकल और ई-चार्जिंग स्टेशनों में निवेश करने का आह्वान किया.

मौके पर हाउसिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के चेयरमैन तथा राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवाशीष सेन ने बताया कि इंडिया ग्रीन बिल्डिंग काउंसिल की ओर से कोलकाता को ग्रीन सिटी प्लैटिनम रेटिंग मिली है. राज्य सरकार न सिर्फ ई-चार्जिंग स्टेशनों की व्यवस्था कर रही है, बल्कि इनके रख-रखाव के लिए कार्यशालाएं भी लगा रही है. ई-वेहिकल के लिए पार्किंग की दो फीसदी जगह भी आरक्षित है.

Printed from
THE TIMES OF INDIA

BCCI holds pre-climate change meet in Kolkata

TNN | Aug 27, 2020, 09:37 PM IST

KOLKATA: The Bengal Chamber of Commerce and Industry is preparing to participate in COP26 of the United Nations Framework Convention on Climate Change (UNFCC) which will take place in Glasgow, United Kingdom from November 1 to November 12, 2021.

The 13th edition of Environment and Energy Conclave on "Inclusive Growth with Resource Efficiency " on Wednesday and Thursday was presented as precursor to COP26.

The session on Thursday was on e-mobility. It is one of the four key focus areas of COP26—Clean Growth. Electric mobility will be a key thematic area on which countries, cities and businesses will showcase their ambition at COP 26.

Sobhandeb Chattopadhyay, state power minister, welcomed Libby Green, head of prosperity (climate, energy, urban, ease of doing business, financial services) representing British High Commission New Delhi for taking up and addressing the issues of Sunderban.

"In West Bengal the Solar Generation Capacity has increased to 30 MW and within an year it will be 300 MW. Under the leadership of our Chief Minister, West Bengal has taken up hydro electric generation project in Purulia. He also mentioned about the 1000 MW of hydro power generation capacity of Tulga Project. He said Bengal has already started using electric vehicle for the public and it is for the first time in India, a state government is using e-vehicle for public transport.

Debashis Sen, chairman, Housing Infrastructure Development Corporation Limited, was also present, showcasing the e-mobility success in New Town in presence of COP26 leadership. He said "Kolkata has got a platinum rating as a Green City from India Green Building Council (IGBCTh)".

Prabhat Kumar Mishra, principal secretary, state transport department, said, "There are 80 buses and 77 charging stations are put up. Among them 20 is high power quick charging station" Buses are plying 2.5 lac km in a month.

The Bengal Chamber, along with British Deputy High Commission in Kolkata, is engaging closely with the stakeholders of e-mobility ecosphere including policy makers and businesses from UK and India to accelerate the e-mobility growth in Kolkata, said Deb A Mukherjee, president designate, The Bengal Chamber.

Kolkata has been the first city to feature in the report of International Energy Agency (IEA), Paris-based autonomous intergovernmental organization established in the framework of the Organisation for Economic Co-operation and Development in 1974 in the wake of the 1973 oil crisis, on success of e-buses.

"With quality power by utility providers, e-fleets may be well supported by charging infrastructure." said Gautam Ray, Chairperson, Energy and Environment Committee, The Bengal Chamber of Commerce and Industry, Executive Director (HR & Admin.) - CESC Limited & President (HR) – Power Group, RPSG

By establishing a substantial presence for EVs, their affordability, and supporting charging infrastructure, EESL is working to trigger an industrial and consumer switch to EVs. "We have signed agreements with various PSUs, Government departments and the Governments of Andhra Pradesh, Maharashtra and Telangana for deploying e-cars.", said S Gopal Managing Director, Energy Efficiency Services Limited.

বৈদ্যুতিক গাড়ির পথ বহু দূর!

নিজস্ব সংবাদদাতা

দূষণ ও জ্বালানি আমদানির খরচ কমাতে সরকারি মহল বৈদ্যুতিক গাড়ির ব্যবহার বাড়ানোর সওয়াল করলেও, তার উপযুক্ত নীতি, পরিকাঠামো ও সহায়ক পরিবেশের খামতি নিয়ে প্রশ্ন ওঠে বারবার। বৃহস্পতিবার বেঙ্গল চেম্বারের অনলাইন বৈঠকেও ফুটে উঠল সেই ছবি। সরকারি কর্তা থেকে বিশেষজ্ঞদের অনেকেরই বক্তব্যে স্পষ্ট, প্রযুক্তি হোক বা পরিকাঠামো, সব ক্ষেত্রেই অনেক পথ হাঁটা বাকি। ক্রেতাদের প্রশ্ন, এক বার গাড়িতে চার্জ দিলে যতটা যাওয়া যায় (রেঞ্জ), তা কি যথেষ্ট? তা না-হলে চার্জিং স্টেশন কই? বৈঠকে এনার্জি এফিশিয়েন্সি সার্ভিসেসের এমডি এস গোপালও বলেছেন, রেঞ্জ ও চার্জিং স্টেশন, দু'টিই ভীষণ জরুরি।

তার আগে সেখানেই আর এক আলোচনাচক্রে বিদ্যুৎমন্ত্রী শোভনদেব চট্টোপাধ্যায় অবশ্য বলেছেন, রাজ্যের সর্বত্র চার্জিং স্টেশন গড়তে পরিবহণ দফতরের সঙ্গে কথা চলছে। শিল্পকেও সেই কাজে এগিয়ে আসার আর্জি জানান তিনি।